रिमझिम पाठ- 6. नाव बनाओ नाव बनाओ

<u>कविता से</u>

क्या कहते? मेरे क्या बस का?

(क) भैया ने क्या बहाना किया? क्यों?

उत्तर- भैया ने बहाना बनाया कि नाव बनाना मेरे बस का काम नहीं है| इसका कारण यह था कि भैया को बाज़ार से कागज़ लाकर नाव बनानने में आलास आ रहा था|

बूँदों-लहरों लड़ती-बढ़ती|

(ख) कागज़ बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है?

उत्तर- कागज़ की नाव बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है|

गुल्लक भरी, अपनी खोलो|

(ग) किसकी गुल्लक भारी है? किसकी गुल्लक हल्की है?

उत्तर- भैया की गुल्लक भारी है| तथा बच्चे की गुल्लक हल्की है|

Scanned by TapScanner

<u>सचमुच</u>

प्रश्न- पानी सचमुच खूब पड़ेगा।

सचमुच का इस्तेमाल करते हुए तुम भी दो वाक्य बनाओ।

उत्तर– (क) **सचमुच** बादल घिर आए हैं।

(घ) **सचमुच** पानी जमकर बरसा।

<u>सात समुंद्र</u>

घिर-घिर कर बादल छाया है,

सात समुन्दर भर लाया है।

(क) पता करो, सात समुंद्र कौन-कौन से होंगे जिनसे बादल पानी भरकर लाया है।

उत्तर- 1. हिन्द महासागर,

2. प्रशांत महासागर,

3. अटलांटिक महासागर,

4. उत्तरी ध्रुव महासागर,

5. दक्षिणी ध्रुव महासागर,

6. अरब सागर,

7. बंगाल की खाड़ी

Scanned by TapScanner

(ख) क्या सचमुच बारिश के बादल समुंद्र से पानी लाते है? वे इतना सारा पानी कैसे लाते होंगे? आपस में बातचीत करके पता करो|

(तुम इस काम में बड़ों की या किताबों की मदद भी ले सकती हो|)

उत्तर- हाँ, बारिश के बादल सचमुच समुंद्र से पानी लाते हैं| सूरज की गर्मी से समुद्र का पानी भाप बनकर आकाश में चला जाता है| वहाँ इकट्ठी हुई भाप धीरे-धीरे ठंडी होकर पानी की बूँदो शक्ल ले लेती है| वही बूँदे बादल का रूप लेकर पानी बरसाने लगती है|

Scanned by TapScanner